संस्कृति एंव सभ्यता
(Culture and Civilization)

संस्कृति से सभ्यता जैसे शब्द का बहुत नजदीकी संबंध रहा है। दोनों शब्दों का प्रयोग कभी-कभी एक ही अर्थ में प्रयोग किया जाता है। आंग्ल फ्रेंच चिन्तन में संस्कृति और सभ्यता का एक ही अर्थ में प्रयोग किया जाता रहा है। ब्रिटिश मानवशास्त्री टॉयलर ने भी दोनों शब्दों का एक ही अर्थ में प्रयोग किया है। इन दो शब्दों का अर्थ इसलिए एक ही अर्थ में किया जाता रहा है कि सभ्यता बर्बरता के एक प्रतिकूल स्तर की सूचक है। टॉयनबी ने अपनी पुस्तक A Study of History में इक्कीस प्रकार की सभ्यताओं की चर्चा की है, लेकिन उन्होंने कहीं सभ्यता के लिए संस्कृति, तो कहीं संस्कृति के लिए सभ्यता का प्रयोग किया है।

सभ्यता मूलतः उन भौतिक उपादानों से संबंध होती है, जिन्हें मनुष्य ने पर्यावरण में अपना जीवन व्यवस्थित करने के लिए निर्मित या आविष्कृत किया है, जैसे— गर्मी से राहत पाने के लिए पंखा, कूलर या एयरकंडीशनर इत्यादि का निर्माण। उसी प्रकार ठंड से बचने के लिए कम्बल, विभिन्न प्रकार के गर्म वस्त्रों, बिजलीतापक उपकरणों इत्यादि का निर्माण। ये भौतिक उपादान सभ्यता के उदाहरण है।

सभ्यता की दूसरी विशेषता यह है कि यह आवश्यकताओं की पूर्ती का एक साधन है। यह मानव को आनन्द और संतुष्टि प्रदान करती है। टी॰ वी॰, रेडियो सामाचार पत्र, मोटरकार आदि हमारे उपयोग की वस्तुएँ है, जिनसे हमारी विभिन्न प्रकार की आवश्यकताओं की पूर्ती होती है। सभ्यता का संबंध चूंकि उपयोगिता से है,

इसलिए इसका प्रसार या फैलाव बड़ी आसानी से होता है। दूसरी जगहों में निर्मित यदि कोई वस्तु हमारे लिए उपयोगी है, तो हम उसे आसानी से प्राप्त कर लेते हैं या प्राप्त करने की कोशिश करते हैं। विभिन्न प्रकार के मशीनी उपकरण या दवाइयां शीघ्रता से विश्व के अन्य देशों में भी अपनायी जाती है। सभ्यता मूर्त होती है और हमारी आवश्यकताओं की पूर्ति करती है। अतः सभ्यता साधन है, न कि स्वयं में साध्य।

मैकाइवर एंव पेज ने सभ्यता और संस्कृति के बीच निम्नलिखित अन्तर बताए हैं:—

(1) सभ्यता का ठोस माप सम्भव है, पर संस्कृति का नहीं।
(2) सभ्यता में निरंतर प्रगति होती है, पर संस्कृति में नहीं।
(3) सभ्यता आसानी से हस्तान्तरित हो सकती है, पर संस्कृति नहीं।
(4) सभ्यता बिना परिवर्तन के ग्रहण की जा सकती है, पर संस्कृति नहीं।